प्रस्तावना

आज के समय में जब नवयुवक व नवयुवतियों को सरकारी या प्राइवेट नौकरियों में स्थान नहीं मिलता है, तो छात्र-छात्राएं व्यावसायिक शिक्षा की ओर उन्मुख होते हैं। फैशन तकनीक भी एक ऐसी शालीनतापूर्ण ट्रेनिंग है जिसके द्वारा एक ट्रेनी के सम्मुख रोज़गार के भरपूर अवसर हैं। इसके पूर्णतः सीखने के बाद वस्त्र उद्योग तथा चमड़ा उद्योग दोनों में ही डिज़ाइनर, इलस्ट्रेटर, फैशन को-ऑर्डिनेटर, फैशन स्टाइलिस्ट की नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नामी डिज़ाइनर बनने के बाद आप अपने काम की मुँहमांगी कीमत भी प्राप्त कर सकते हैं।

जिस प्रकार समुद्र की गहराई में जाने पर उसके गर्भ में कितना कुछ छुपा हुआ है, उस सबको ढूंढ पाना असम्भव है, ठीक उसी प्रकार फैशन तकनीक का कोर्स भी अत्यन्त गहन व विस्तृत है। किन्तु जैसे-जैसे ट्रेनी अभ्यास करते जाते हैं, वे मानों उस ट्रेड का एक-एक मोती चुनते जाते हैं। इसी अभ्यास को करने हेतु ही इस पुस्तक में बहुत से मोतियों का ज्ञान यथाः वस्त्र विज्ञान से सम्बन्धित उनकी बनावट, उनका संरक्षण, धुलाई तथा फैशन से सम्बन्धित विषयों का ज्ञान तथा मार्केटिंग के तरीकों का जिस प्रकार वर्णन किया गया है, उससे बहुत से छात्र छात्राएं लाभान्वित होंगे, ऐसी मैं आशा करती हूँ। इस पुस्तक में फैशन टैक्नॉलोजी के विद्यार्थियों को पढ़ाया जाने वाला पूर्ण सिलेबस समझाने का अथक प्रयत्न किया गया है। पुस्तक के लेखन में मुख्यतः श्रीमति कंवलजीत कौर, सुश्री अनिता और सुश्री नसरीन का विशेष सहयोग रहा, जिनकी मैं आभारी हूँ। प्रथम संस्करण में कुछ त्रुटियों के रह जाने की सम्भावना है। इस सम्बन्ध में पाठकों की प्रतिक्रिया व उनके अमूल्य सुझाव सादर आमंत्रित करती हूँ।

— गायत्री वर्मा

समर्पण

विश्व के रचयिता, विश्व के सर्वस्व **"राधा-कृष्ण"** को ही यह कृति समर्पित है,

जिनकी प्रेरणा शक्ति से ही यह कृति आप तक लाने में मैं समर्थ रही।

आभार

श्री प्रभाकर हंस

जिनके सहयोग के बिना यह कृति सम्भव नहीं थी

लेखिका का जीवन परिचय

लेखिका का जन्म 15 फरवरी 1948 में दिल्ली में हुआ था। 1963 में स्कूली शिक्षा समाप्त करने के उपरान्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से 1964-65 में कटिंग एवं टेलरिंग व्यवसाय का प्रशिक्षण प्राप्त किया। तदोपरान्त केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली से प्रशिक्षक की परीक्षा 1967 में उच्च अंकों (credit) में पास की। 1974 में दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की।

इसके अतिरिक्त 1965 से 1966 में गृह कल्याण केन्द्र (गृह मंत्रालय, भारत सरकार) से सम्बद्ध रहीं। पुनः 1975 से 1976 तक भारतीय ग्रामीण महिला संघ में मुख्य प्रशिक्षिका के पद पर कार्यरत रहीं। इसके उपरान्त 1976 से सन् 2008 तक समाज कल्याण निदेशालय के अन्तर्गत विभिन्न विभागों के विभिन्न पदों पर कटर मास्टर से क्राफ्ट प्रशिक्षिका वरिष्ठ एवं प्रमुख प्रशिक्षिका का पद भार सम्भाल कर सेवा निवृत्त हुईं।

समाज कल्याण विभाग में कटिंग एवं टेलरिंग व्यवसाय में अत्यन्त विशिष्ट रुचि रखने के कारण छात्राओं में सरल एवं सार्थक ज्ञान देने के लिए लोकप्रिय रहीं। छात्राओं को विषय का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ सामाजिक तथा पारिवारिक परिवेश का ज्ञान देने में भी इनकी विशेष रुचि रही है। इनके द्वारा प्रशिक्षित कई छात्राएं उच्च अंक प्राप्त करके कटिंग एंड टेलरिंग व्यवसाय में विशिष्ट सफलता अर्जित कर चुकी हैं। उनके जीवनयापन का यह एक अभिन्न व्यवसाय बन चुका है। कुछ छात्राएं इस कार्य के द्वारा परिवार की अनेकों प्रकार से आर्थिक सहायता कर रही हैं।

प्रस्तुत पुस्तक के अतिरिक्त लेखिका की अन्य पुस्तकें कटाई-सिलाई थ्योरी, कटाई-सिलाई प्रैक्टिकल तथा शिक्षण व प्रशिक्षण के सिद्धान्त (Principles of Teaching) की पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनका लाभ I.T.I.s, N.C.V.T., तथा S.C.V.T., N.V.T.I., R.V.T.I. के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ घरेलु महिलाएं भी उठा रही हैं।

विषय सूची

भाग-1. वस्त्र विज्ञान

अध्याय	विषय	पृष्ठ सं॰
1.	सुरक्षा से सम्बन्धित सावधानियां व महत्व (Importance of General Precautions)	1 - 4
2.	वस्त्रों की विकास प्रक्रिया (Evolution of Garments)	5 - 7
3.	वस्त्र तैयार करने के सिद्धान्त (Principles of Garment Making)	8 - 9
4.	फैशन के प्रचलित सिद्धान्त (Principles of Fashion)	10 - 11
5.	धागों के प्रकार (Types of Threads)	12 - 14
6.	वस्त्र विज्ञान (Textile)	15 - 19
7.	रेशों का वर्गीकरण एवं विशेषताएं (Classification and Characteristics of Fiber)	20 - 26
8.	रेशों का परीक्षण (Identification of Fibers)	27 - 32
9.	विभिन्न रेशों का अध्ययन (Study of different Fibers)	33 - 61
10.	वस्त्र की बुनाई (Weaving)	62 - 68
11.	निटिंग (Knitting)	69 - 73
12.	परिष्कृति एवं परिसज्जा तथा उनके उद्देश्य (Finishes and their Aims)	74 - 78
13.	रंगाई एवं छपाई (Dying and Printing)	79 - 84
14.	वस्त्रों की देख-रेख तथा संरक्षण (Care and Storage of Clothings)	85 - 87
15.	सिले हुए वस्त्र एवं उनका चुनाव आधार (Ready-made Garments and Their Selection)	88 - 94

भाग-2. धुलाई विज्ञान

अध्याय	विषय	पृष्ठ सं॰
16.	धुलाई कला (Laundry)	95 - 98
17.	धुलाई के उपकरण (Laundry and its Equipments)	99 - 103
18.	जल (Water)	104 - 107
19.	वस्त्रों के शोधक पदार्थ (Cleaning Materials for Fabrics)	108 - 111
20.	अपमार्जक अथवा सांश्लेषित अपमार्जक (Detergent or Synthetic Detergent)	112 - 114
21.	ड्राईक्लीनिंग (Drycleaning)	115 - 117
22.	वस्त्रों में कलफ (Starch In Fabrics)	118 - 120
23.	वस्त्रों में नील (Use of Blue in Fabrics)	121 - 122

24. विशेष वस्त्रों की धुलाई (Laundry of Special Fabrics) ..... 123 – 128
25. धुलाई के कुछ अन्य रसायन (Chemicals for Washing) ..... 129 – 132
26. दाग-धब्बे छुड़ाना (Stains and its Removal) ..... 133 – 138

भाग-3. सिलाई प्रक्रियाएं तथा ड्राफ्टिंग्स

अध्याय **विषय** **पृष्ठ सं.**

27. वस्त्र बनाने के बुनियादी तरीके (Basic Processes for Garment Making) ..... 139 – 159
28. उपकरण एवं सहायक सामान (Tools and Equipments) ..... 160 – 170
29. सिलाई मशीन (Sewing Machine) ..... 171 – 189
30. नाप (Measurement) ..... 190 – 195
31. सजावटी सामान — फ्यूजिंग तकनीक (Trimming and Lining, Fusing Technique) ..... 196 – 200
32. पेपर पैटर्न का परिचय (Introduction to Paper Pattern) ..... 201 – 215
33. ड्राफ्टिंग सम्बन्धी आवश्यक जानकारी (Important Knowledge about Drafting) ..... 216 – 217
34. ड्राफ्टिंग्स — बच्चों, स्त्रियों तथा पुरुषों के वस्त्रों की
(Draftings of Children, Ladies' and Gents' Garments) ..... 218 – 259

भाग-4. फैशन डिज़ाइनिंग परिचय

अध्याय **विषय** **पृष्ठ सं.**

35. फैशन (Fashion) ..... 261 – 265
36. मध्यकालीन युग से आज तक के फैशनेबल वस्त्र
(Fashionable Costumes From Medivial Period till Today) ..... 266 – 267
37. व्यक्तित्व के अनुसार कपड़ों का चयन (Personality Factor and Choice for Clothes) ..... 268 – 270
38. फैशन को प्रभावित करने वाले तत्व (Factors Influencing Fashion) ..... 271 – 273
39. सिलहूट (Silhouette) ..... 274 – 278
40. डिज़ाइन बनाने के तरीके (Elements of Designing) ..... 279 – 282
41. परिधान में नमूने (Designs in Dress) ..... 283 – 288
42. परिधान में रंग (Colours in Dress) ..... 289 – 295
43. परिधान सम्बन्धी शिष्टाचार (Dress Ettiquette) ..... 296 – 301
44. भारत के पारम्परिक वस्त्र (Traditional Textiles of India) ..... 302 – 308
45. टेलरिंग में प्रयोग होने वाली कुछ क्रियाएं (Standard Operations Used in Tailoring) ..... 309 – 336
46. डिज़ाइन बनाने की भावना के प्रेरक स्त्रोत (Sources of Inspiration for Designing) ..... 337 – 338

47. रंग (Colour) ..... 339 – 343
48. प्रारम्भिक रेखांकन तथा यान्त्रिक एवं दृष्टिगत अन्तर
(Preliminary Sketch and Mechanical & Optical Space) ..... 344 – 348
49. अच्छी प्रकार पूर्ण किए गए वस्त्र की विशेषताएं
(Characteristics of Well Finished Garment) ..... 349 – 352
50. वस्त्र उद्योग व्यवस्था (Garment Production System) ..... 353 – 357
51. औद्योगिक सिलाई मशीनें (Industrial Sewing Machines) ..... 358 – 363
52. कीमतें (Costing) ..... 364 – 366
53. कम्प्यूटर सम्बन्धी ज्ञान तथा क्रियाएं
(Basic Knowledge of Computers and their Applications) ..... 367 – 372

भाग-5. बॉडिस ब्लॉक

अध्याय **विषय** **पृष्ठ सं.**

54. बॉडिस ब्लॉक व ईज़ (Bodice Block and Ease) ..... 373 – 377
55. ब्लॉक पैट्रर्न (Block Pattern) ..... 378 – 380
56. नाप के तरीके एवं ड्राफ्टिंग तकनीक (Measuring Points and Drafting Techniques) ..... 381 – 383
57. बच्चों के अनुपातिक नाप (Children Measurement Size and Proportion) ..... 384 – 386
58. महिलाओं की आकृति तथा अनुपात (Lady's Body Shape and Proportions) ..... 387 – 391
59. शरीराकृति एवं खड़े होने का ढंग (Body Shape and Posture) ..... 392 – 393
60. मैनिपुलेशन — एक परिचय (Introduction to Manipulation) ..... 394 – 402

भाग- 6. मार्केटिंग

अध्याय **विषय** **पृष्ठ सं.**

61. बिक्री बढ़ाने के तरीके (Sales Promotion) ..... 403 – 406
62. मार्केटिंग (Marketing) ..... 407 – 413
63. पुस्तक में प्रयुक्त कुछ कठिन शब्द (Difficult Words Used in the Book) ..... 414 – 415